गवाहियाँ

अगुवाई करने की राह पर एक केन्याई का सफर

जब मेरी आयु 12 वर्ष की थी, उस समय मुझे अपनी कलीसिया के युवक युवती संघ के सचिव पद का उत्तरदायित्व सौंपा गया। उस समय से लेकर, मैं अब तक स्थानीय, राष्ट्रीय, और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कलीसिया की सेवा करता आ रहा हूँ।

मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस के साथ जुड़ने से मुझे एक कलीसियाई अगुवा, एक पति, और एक पिता के रूप में अपनी भूमिकाओं को आकार देने में सहायता मिली है, इसलिए मैं वर्तमान समय के युवाओं के सामने एक चुनौती रखने के उद्देश्य से यहाँ अपनी गवाही आप सब के साथ बाँट रहा हूँ।

''उन बातों के बाद मैं सब प्राणियों पर अपना आत्मा उण्डेलूंगा; तुम्हारे बेटे बेटियाँ भविष्यद्वाणी करेंगी, . . . और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे'' (योएल 2:28)।

याब्स स्टाफ सलाहकार इमेरिटस अयूब ओमांडी अविच अपनी पत्नी डोर्थी अचिंग ओमांडी और पुत्रों मोजेस अडोंगो, जॉन टेरी के साथ। फोटोः साभार अयूब ओमांडी अविच।

भविष्यद्वक्ता ने समूह में होकर कार्य करने के एक ऐसे मूलविषय का चित्रण किया है जो मण्डलियों के आत्मिक और भौतिक दोनों प्रकार के विकास में सहायक है। मैं युवाओं के सामने चुनौती रखता हूँ कि वे अपनी शक्ति का उपयोग कलीसिया की उन्नति में सहायता करने के लिए करें। वहीं, कलीसियाएं रोचक और प्रभावशाली गतिविधियों का संचालन करें ताकि युवाओं को कलीसिया के साथ जोड़ कर रखा जा सके।

केन्या मेनोनाइट कॉंफ्रेंस (केएमसी) के युवक युवती संघ के राष्ट्रीय सचिव के रूप में चुने जाने पर मुझे एमडब्ल्यूसी की पहली यात्रा करने का अवसर मिला, जब 2009 में मैं द्वितीय ग्लोबल यूथ समिट (जीवायएस) में भाग लेने को पैरागुए गया, और मैंने केएमसी के युवाओं का प्रतिनिधित्व किया।

इस प्रकार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए, मैंने दूसरों की बातों को सुनने के कौशल को सीखा। मैंने मार्गदर्शन और परामर्श देने की कला को सीखा, इसी विशेषता के कारण मुझे अनेक बार विवाह तय करते समय होने वाली वर और वधु पक्ष के बीच की बातचीत में मध्यस्थता करने का आदर प्राप्त हुआ।

जीवायएस में, मुझे यूथ टास्क फोर्स में अफ्रीका के प्रतिनिधि के रूप में मनोनीत किया गया, यह समूह एमडब्ल्यूसी द्वारा तैयार किया गया ताकि यंग ऐनाबैपटिस्ट (याब्स) का गठन करने के दर्शन को पूरा किया जा सके। हमने ऐनाबैपटिस्ट युवाओं के लिए चलाए जाने वाले इस विश्वव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार करने के लिए साथ मिलकर कार्य किया। इस जिम्मेदारी को पूरी करने के लिए मुझे बैठकों में भाग लेने के लिए यात्राएं भी करनी पड़ी जिसका मुझे यह लाभ मिला कि मैं लोगों के साथ सम्पर्क कायम करने के कौशल और भिन्न भिन्न पृष्ठभूमियों और विचारों के अन्य लोगों के साथ कार्य करने की अपनी क्षमता में सुधार ला सका।

अन्य लोगों के विचारों को सुनकर मैंने बहुत कुछ सीखा – यह शिक्षा मेरी वर्तमान कलीसियाई और सामुदायिक गतिविधियों को संचालित करने में अत्यंत मददगार सिद्ध हुई।

मेरी सामने अगली चुनौती यह थी कि मुझे प्रथम याब्स कमेटी के प्रथम सलाहकार के रूप में एक बड़ी जिम्मेदारी दी गई। मेरा यह कार्य था कि मैं याब्स को समस्त एमडब्ल्यूसी परिवार के साथ जोड़ू। कुछ कुछ अवसरों पर यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि मुझे प्रत्येक व्यक्ति के विचारों का सम्मान करते हुए सही निर्णय लेना होता था ताकि बैठकें सुचारू रूप से चल सकें और लाभप्रद सिद्ध हो। किन्तु, एमडब्ल्यूसी की सभाओं में संगति का वातावरण बहुत अच्छा होता है; यह बहुत हद तक परिवार के सदस्यों के पुनर्मिलन के ही समान होता है जो युवाओं और बुजुर्गों के बीच की खाई को भर देता है।

अयूब ओमांडी प्रमुख के साथ अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन अधिकारी लिसा अंगर। फोटो: लिसा अंगर

याब्स और एमडब्ल्यूसी परिवार के साथ संगति व सेवा करते हुए मैंने यह सीखा कि सभी महाद्वीपों का युवा वर्ग समान प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन चुनौतियों को एक दूसरे के साथ बाँटने और मिलकर इन का सामना करने सीखने के लिए हमें एक मंच की आवश्यकता है। एमडब्ल्यूसी इस प्रकार की बातचीत या वार्तालाप के लिए मंच तैयार करता है। कलीसिया के युवाओं के बीच मेरी सेवा के लिए यह अत्यंत उपयोगी है।

सेवकाई करते हुए मैंने जिस एक अन्य कौशल को सीखा, वह है, कार्यक्रमों का आयोजन करना। वर्तमान में, मैं विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करने में अपने डायोसिस की अगुवाई कर रहा हूँ। मैंने जो कौशल सीखा, उसकी सहायता से मैंने 21 अप्रेल 2018 को केन्या में आयोजित एमडब्ल्यूसी के *रिनेवल* 2027 के यातायात व प्रबन्ध की व्यवस्था करने में प्रमुख भूमिका निभाई।

युवा मित्रों, मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप अपने वरदानों को एक दूसरे के साथ बाँटे। इससे आपको सहायता मिलेगी कि आप प्रभु के घर में अपनी प्रतिभाओं को विकसित कर सकें। हमें एक दूसरे का बोझ उठाने की आवश्यकता है और इस तरीके से हम मसीह की व्यवस्था को पूरा कर सकेंगे (गलातियों 6:2)।

– अयूब ओमोन्डी अविच केन्या मेनोनाइट कॉंफ्रेंस के बोया चर्च, अहिरो पेरिश के एक सदस्य हैं। अयूब की पत्नी का नाम डोर्थी अचिंग ओमांडी हैं और इनके विवाह को 10 वर्ष हो चुके हैं। दोनों के दो पुत्र हैं (मोजेस अडोंगो, जॉन टेरी) और तीसरी सन्तान की प्रतीक्षा कर रहे हैं।